

### Railways Red Tariff (Second Amendment) Rules, 1982

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MAL. LEKARJUN): Sir, I beg to lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Ministry of Railways (Railway Board), Notification G.S.R. No. 166, dated the 13th February, 1982, publishing the Railways Red Tariff (Second Amendment) Rules, 1982. [Placed in Library. See No. LT-3458/82].

### REPORTS OF PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Sir, I beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following Report<sup>a</sup> of the Public Accounts Committee:

\*

(i) Seventieth Report on action taken on the 41st Report (Seventh Lok Sabha) on Expenditure on New Service/New Instrument of Service.

(ii) Seventy-second Report<sup>on</sup> action taken on the 27th Report (Seventh Lok Sabha) on Union Excise Duties.

### RE. PRINTING OF RAJYA SABHA DIARY IN. ENGLISH

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश): मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या आपने आदेश दे रखा है...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a different thing.

श्री रामेश्वर सिंह: एक मिनट सुन तो लीजिए।

श्री उपसभापति: यह बात आप कमरे में आकर कर सकते हैं।

श्री रामेश्वर सिंह: यह बहुत गम्भीर बात है। आपने हमें अंग्रेजी की डायरी दे रखी है। हमारे देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी है जबकि यह डायरी अंग्रेजी में है। आप हमें इसे बंगला में दे सकते हैं, गुजराती में दे सकते हैं, मैथिली में दे सकते हैं, राजस्थानी में दे सकते हैं, तमिल में दे सकते हैं, तेलुगु में दे सकते हैं लेकिन आपने जो यह अंग्रेजी में डायरी दी है यह ठीक नहीं है। इस डायरी को आप सबसे वापस लीजिए और सारी डायरी वापस लेकर भारतीय भाषाओं में छाप कर वितरित करिये... (व्यवधान)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now. Calling Attention. Shri Hari Shankar Bhabhra.

श्री रामेश्वर सिंह: मैं आपकी कलिंग चाहता हूँ।

श्री उपसभापति: इसमें कलिंग की बात नहीं है।

श्री रामेश्वर सिंह: मैं इसे आपको वापस कर रहा हूँ। इसे भारतीय भाषाओं में छपा कर दीजिए।

SHRI PILOO MODY (Gujarat): The State language of Nagaland is English.

श्री उपसभापति: आप बिना बजह बात को उठा रहे हैं।

श्री रामेश्वर सिंह: अंग्रेजी को आपको हटाना होगा। देशी भाषा को आपको लाना होगा। आप इसको मामूली बात मत समझिये। (व्यवधान)

श्री उपसभापति: रामेश्वर सिंह जी आप बैठ जाइये। अंग्रेजी भाषा हटाये ने नहीं हटेगी। यह बड़ा बिस्वाद सबाल है। आप अनावश्यक रूप से यह सबाल उठा कर सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं। (व्यवधान)। आप तो सब कुछ जानते हैं, फिर भी बिना बजह